RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 16 अंक : 197 29 दिसबंर, 2021 मूल्य : 30/-प्रति

प्रथम राष्ट्रीय समाज गौरव अवार्ड 2021

महापुरूषों के सम्मान में

प्रथम राष्ट्रीय समाज गौरव अवार्ड

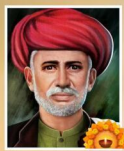

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत
महात्मा ज्योति बॉ फूले

देश की प्रथम महिला शिक्षिका
माता सावित्री बाई फूले

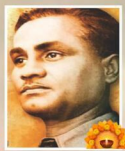

विश्व रिकॉर्ड धारी, पद्मभूषण
मेजर ध्यानचंद कुशवाहा

सेवा को समर्पित, महान संत
माता अजनेश्वर बाई जी

प्रकृति एवं कला प्रेमी
पद्मश्री नेकचंद सैनी

बाघ संरक्षण एवं पर्यावरण विद्
पद्मश्री श्री कैलाश सिंह सांखला

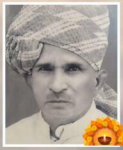

भामाशाह उद्योगपति
श्री शिवजी सिंह कच्छवाहा

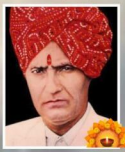

भामाशाह उद्योगपति
श्री शंकरलाल परिहार

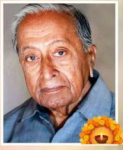

मानव सेवा की प्रतिमूर्ति
श्री भगवान सिंह परिहार

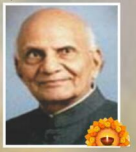

सत्यनिष्ठ, न्यायप्रिय
जस्टिस श्री कानसिंह परिहार

उद्योगपति - भामाशाह
श्री शिवराम सिंह गहलोत

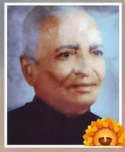

पिड़ितों की सेवा में समर्पित
डॉ. ओमदत्त भाटी

इतिहासकार - लेखक
श्री जगदीश सिंह गहलोत

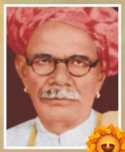

चिकित्सा एवं मानव सेवा
श्री रघुनाथ दास परिहार

संगीत - गायन में रिकॉर्डधारी
श्री रामेश्वर सिंह गहलोत

अमरपुरा धाम पंचम पाटोत्सव की झलकियां

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 16 • अंक 197 • 29 दिसबंर, 2021 • मूल्य : 30/-प्रति

माली सैनी संदेश पत्रिका के माननीय सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(ह्रदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद् / समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्री महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्री आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्री चन्द्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्री प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्री दीपकसिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्री महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्री रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

माली सैनी संदेश के माननीय संरक्षक बनने हेतु आप सादर आमन्त्रित है

संपादक की कलम से...

समाज की सफलता व्यक्ति सफलता पर निर्भर

मनीष गहलोत
संपादक

ईश्वर ने मानव की उत्पति एक बीज के रूप में की है और उस बीज का एक पहलू या भाग तो हम स्वयं है दूसरा भाग ईश्वर ने अदृश्य कर रखा है। बीज का वह दूसरा भाग इस संसार या प्रकृति में निहित है जब तक हम दूसरे तत्व को पहचान कर, उसे अपनाकर अपने में सम्मिलित नहीं कर लेते तब तक हम पूर्णता या सफलता को प्राप्त नहीं कर सकते।

हमारा माली सैनी समाज इस मायने में काफी पीछे है। अवश्यकता है सामाजिक क्रांति की और सामाजिक क्रांति के लिए आवश्यक है अपने आप को पहचानने की। जब तक हम पूर्ण अस्तित्व की पहचान कर अपने सफल होने पर विश्वास नहीं करेंगे तक तक दुनिया कैसे विश्वास करेगी। हमारे समाज के लोग अपने ही विचारों में खोये रहते है। हम अपने ही संकल्पों-विकल्पों के चिंतन में उलझकर बिना किसी कार्य को किये ही निराशाजनक परिणाम निकाल लेते है।

समाज की सफलता व्यक्ति की सफलता पर निर्भर है। स्वामी विवेकानन्द जी ने वर्षों पहले हमे सफलता का नारा दिया था। उन्होंने कहा था **''तुम्हें जो अच्छा लगे वह करो, दुनिया क्या कहेगी इसकी परवाह मत करो।''** जिस समाज के लोगों ने इस वाक्य में छिपे असली मर्ज को पहचान कर कार्य को शुरू किया तो सफलता उनके कदमों में है। उनका अपना एक अस्तित्व है। एक अलग पहचान है। दूसरी तरफ हमारे समाज में यह कमजोरी अभी तक व्याप्त है। हम किसी कार्य को शुरू करने से पहले ही यह सोचने लगते है कि परिवार वाले क्या कहेंगे ? पड़ौसी क्या सोचेंगे ? कही असफल नहीं हो जाऊं। दुनिया क्या कहेगी आदि -आदि।

इतिहास गवाह है कि जिन्होंने दुनिया की परवाह न करके अदम्य साहस के साथ अपने कार्य को शुरू किया वो न केवल भारत बल्कि संसार के सफलतम व्यक्तियों की सूची में शामिल है। जिनके पास दो जून की रोटी की व्यवस्था नहीं थी वो लोग अपने साहस के बल दुनिया के अमीर व्यक्तियों की सूची में शामिल है। अत: समाज के सभी वर्गों से निवेदन है कि आप अपने आप को श्रेष्ठ समझे, साहसी बनें, विश्वास पैदा करें, क्रियाशील बनकर पूर्ण लग्न व निष्ठा से आगे बढ़ें। सफलता हमारी राहदेख रही है। यही भाव मन में संजोये रखें। मन में नैराश्य पैदा नहीं होने दें क्योंकि साहस व विश्वास से पत्थर में भी फूल खिलाये जा सकते है। मैं समाज के युवा वर्ग से आव्हान् करना चाहता हूं कि अपनी ताकत को पहचाने। संकल्पों विकल्पों के मकड़जाल से निकलकर पूर्वाग्रह की जंजीरों को तोड़कर पूर्ण विश्वास व सफलता का भाव मन में लेकर आगे बढ़ें। सफलता को दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती।

वर्तमान समय में संगठन के माध्यम से असंभव से दिखने वाले कार्य को संभव किया जा सकता है। हमारे समाज को भी कुंभकर्णी नींद को त्याग कर समाज के हित हेतु प्रत्येक घर से तन-मन-धन से सहयोग कर समाज को संगठित व सामाजिक जागृति हेतु कार्य करना होगा, इसके लिख अब हम शंखनाद करें।

दीपक की ली को हवा का एक झोंका बुझा देता है लेकिन वही हवा जंगल की आग को बुझाने की बजाय बढ़ाती है। हमें दीपक की ली नहीं बल्कि जंगल की आग की तरह बनना होगा। एक अकेला कीड़ा कुछ नहीं कर सकता लेकिन कीड़ों(दीमक) के समूहों से बड़े-बड़े महलों को खण्डर होते पड़ा है, सुना है और देखा भी है।

तात्पर्य सिर्फ इतना है कि हमें संगठित होना ही होगा। आज नहीं तो कल फिर देरी क्यों? आज और अभी से शुरूआत करें। समाज के युवाओं को फिर कहना चाहूंगा कि जागो, पढ़ों व पूर्ण विश्वास के साथ आगे बढ़ो, सफलता निश्चित है। समाज के जिन महापुरूषों ने समाज को संगठित व उन्नत करने का जो भागीरथी प्रयास अखिल भारतीय स्तर पर शुरू किया है उसमें पूर्णरूपेण भागीदार बनकर सहयोग प्रदान करना चाहिए।

जय माली सैनी समाज

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

हमारे गौरवशाली महापुरुषों के उत्कृष्ट कार्यो के सम्मान में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम समाज गौरव अवार्ड

प्रथम राष्ट्रीय पुरूस्कार समारोह में समाज के उत्कृष्ट प्रतिभाशाली प्रतिभाएं होगी सम्मानित

जोधपुर। देश में पहली बार हमारे गौरवशाली इतिहास के महापुरूषों एवं प्रबुद्धजनों के सम्मान में राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन माली सैनी संदेश पत्रिका और माली सैनी समाज सेवा संस्थान के माध्यम से किया जा रहा है। आज की युवा पीढ़ी को यह जानकारी भी नहीं है कि हमारे समाज के अनेकों अनेक महापुरूषों ने अपने उत्कृष्ट कार्यों से समाज के साथ देश के विकास में न केवल महत्वपूर्ण योगदान दिया है साथ ही सामाजिक स्तर पर भी अनेकों सेवा कार्य कर एक संगठित समाज की स्थापना करने का प्रयास सदियों पूर्व किया था। लेकिन हम स्वयं अपने गौरवशाली इतिहास को भूल रहें है और इन महापुरूषों के अमूल्य योगदान का भी अपमान कर रहे है।

आज हमारे समाज के प्रबुद्धजन सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, प्रशासनिक, खेलकूद एवं अनेकों क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर समाज के साथ देश के विकास में भी अपना योगदान प्रदान कर रहे है। इन सभी का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है जिससे इनके कार्यो से प्रभावित हो युवा पीढ़ी भी उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रेरित हो। हमारे समाज का सौभाग्य है कि महात्मा ज्योति बा फूले जैसे सामाजिक क्रांति के अग्रदूत हमारे समाज में जन्में जिन्होंने शूद्रो -अतिशूद्रो के जीवन स्तर को सुधारने का कार्य सैकड़ों वर्ष पूर्व सर्वप्रथम अपनी धर्मपत्नी माता सावित्री बाई फूले को शिक्षित कर किया जो कि बाद में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका बनीं। हमारे समाज में सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य जैसे वीरों ने जन्म लिया जिनका आज नाम सभी गौरव से लेते है यहीं नहीं हमारे समाज के अनेकों धर्मगुरूओं ने अपने तप और योग से भी सर्व समाज को लाभान्वित किया है जिसमें प्रमुख संत सांवता महाराज, माता अजनेश्वर बाई जी महाराज, संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज। त्याग की मूर्ति के रूप में हम अमर त्यागी गोरा धाय मां का नाम गर्व से लेते है जिन्होंने अपने पुत्र बलिदान कर राजकुमार अजित के साथ जोधपुर राजघराने के राजवंश को बचाया। ऐसे अनेकों उदाहरण है जिनसे हम प्रेरणा ले सकते है।

हमारा यहीं प्रयास है कि हम हमारे समाज के पूर्वजों के उत्कृष्ट कार्यो का उल्लेख कर उनके सम्मान में आज की युवा पीढ़ी को आत्मसात कराने के लिए राष्ट्र स्तरीय प्रतिभा सम्मान विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले समाज बंधुओं माता बहनों को प्रदान करें। इसी कड़ी में प्रथम राष्ट्र स्तरीय प्रतिभा सम्मान समाज के जिन महापुरूषों के नाम से प्रदान किया जाएगा उनके बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है और इसके लिए समाज के सभी वर्गो से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है।

आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी, 2022 है तथा सम्मान समारोह का आयोजन 11 अप्रेल, 2022 को प्रस्तावित हैं।

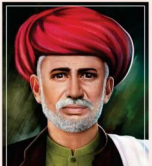

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत

महात्मा ज्योति बा फूले अवार्ड - 2021

(शिक्षा एवं समाज सेवा में विशेष उपलब्धि)

विशेष कार्य :

- स्त्री शिक्षा
- भ्रुण हत्या
- विधवा विवाह
- जाति प्रथा
- धार्मिक आडंबरों
- शुद्रों अतिशुद्रों की शिक्षा

आधुनिक भारत के इतिहास में 19वीं शताब्दी सही मायनों में परिवर्तन की शताब्दी थी। अनेक महापुरुषों ने उस शताब्दी में जन्म लिया। उनमें से यदि किसी एक को 'आधुनिक भारत का वास्तुकार' चुनना पड़े तो वे महात्मा ज्योतिबा फुले ही होंगे। उनका कार्यक्षेत्र व्यापक था। स्त्री शिक्षा, बालिकाओं की भ्रुण हत्या, विधवा विवाह, बालविवाह, जाति प्रथा और छूआछूत उन्मूलन, धार्मिक आडंबरों का विरोध आदि ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज न कराई हो। 19 वीं सदी मे, ज्योतिराव फुले प्रथम व्यक्ति थे, जिन्होंने जातिवाद व वर्ण व्यवस्था पर प्रहार किया और निम्नवर्ग की सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के निवारण हेतु शक्तिशाली आन्दोलन प्रारम्भ किया। उनके आन्दोलन और कार्यक्रमों का उद्देश्य सामाजिक समानता और सामाजिक न्याय की स्थापना कराना था। वे देश की आजादी से पहले दलित-शोषित समाज की मुक्ति को अधिक आवश्यक मानते थे। उनकी सोच वर्गभेद अथवा वर्ग संघर्ष उत्पन्न करना नही था, वे निम्नवर्ग व नारीवर्ग को ज्ञानवान बनाकर संगठित करने में विश्वास करते थे। शुद्ध आचरण और कर्तव्य पथ पर निष्ठापूर्वक चलने को ही वे धर्म मानते थे।

ऐसे महान क्रांतिकारी महात्मा ज्योति बा फूले की स्मृति में शिक्षा एवं समाज सेवा के लिए अनुकरणीय कार्य करने वाले समाज के उत्कृष्ट समाजसेवी को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

नारी शिक्षा को समर्पित

सावित्री बाई फूले अवार्ड - 2021

(महिला शिक्षा एवं समाज सेवा में विशेष उपलब्धि)

सावित्री बाई फुले देश की पहली नारी मुक्ति आन्दोलन की नेता है। उन्होंने नारी शिक्षा का सूत्रपात किया। बाल हत्या प्रतिबंध गृह की स्थापना की। विधवा मुण्डन प्रथा समाप्त कराई। विधवा पुर्नविवाह प्रारम्भ कराये। सतीप्रथा के विरूद्ध जनजागृति फैलाई। विधवा सन्तान की परवरिश की। विधवा ब्राह्मणी काशीबाई के पुत्र यशवंत का लालन- पालन कर गोद लिया। अर्न्तजातिय विवाह भी देश में प्रथम बार पुत्र यशवंत का किया। नारीमुक्ति के लिये कुरीतियाँ, रूढ़ीवादी रीतिरिवाजों को समाप्त कराकर सत्यशोधक समाज से संस्कार की नींव रखी। 18 पाठशालाऐं खोली। छोटे- छोटे उद्योगो (गृह उद्योग) की व्यवस्था की। मानव सेवा के लिये गहनरोगीयों का इलाज कराने उनको अपनी पीठ पर लादकर उपचार कराने की सेवा की। पति, ससुर, परिवार को विश्वास में लेकर शिक्षा एवं मानव सेवा, साहित्य रचना की। निडर एवं साहसी जीवन का लक्ष्य पूरा किया। इस प्रकार सावित्रीबाई फुले नारी मुक्ति आन्दोन की प्रथम नेता थी।

विशेष कार्य :
बाल हत्या प्रतिबंध सतीप्रथा के विरूद्ध कार्य, अर्न्तजातीय विवाह, नारी उन्मूलन गृह उद्योग जैसे क्रांतिकारी कार्य सैकड़ों वर्ष पूर्व करवाएं

ऐसी महान समाज सेविका माता सावित्री बाई फूले की स्मृति में शिक्षा एवं समाज सेवा के लिए अनुकरणीय कार्य करने वाले समाज के उत्कृष्ट महिला शिक्षाविद् समाजसेविका को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

संत शिरोमणि माता

अजनेशवर बाई जी धार्मिक सेवा अवार्ड- 2021

(धर्म एवं भक्ति के क्षेत्र विशेष उपलब्धि)

भगवत् भक्ति में पुरूष और नारी का कोई भेद स्वीकार्य नहीं है। परमात्मा को प्राप्त करने के लिए भक्ति के मार्ग को सभी के लिये सुलभ तथा सुगम माना गया है। मीरा बाई, सहजो बाई, दया बाई आदि नारियाँ भक्तिपथ का अनुगमन कर सिद्धि प्राप्त करने में सफल हुई। जोधपुर को भी एक ऐसी महिला सन्त को जन्म देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिनके अनुयायियों की संख्या आज भी कम नहीं है और जो प्रतिदिन इस नारी सन्त द्वारा स्थापित आश्रम में नियमित रूप से जाकर भक्ति तथा भगवान के नामस्मरण द्वारा स्वजीवन का उत्थान करते हैं। इस महिला सन्त का नाम अजनेशवर महाराज था, जिनके चित्र आज भी जोधपुर के सद्गृहस्थों के पूजाकक्षों में देवप्रतिमाओं की ही भाँति पूजे जाते हैं। सन्त अजनेश्वर का जन्म नाम अजनी बाई था। इनका जन्म वि. सं. 1908 (1851 ई.) की आश्विन कृष्ण एकादशी को हुआ। ग्यारह वर्ष की आयु में अजनी बाई भी गृहस्थ को त्याग कर वैराग्यपथ की पथिक बन गई। उन्होंने अपने पिता तथा गुरु से ओंकार का मंत्र गुरुमंत्र के रूप में मिला। जिसे उन्होंने आजीवन धारण किया तथा अपने शिष्यों को भी इसी एकाक्षर मंत्र का उपदेश दिया। संन्यास की दीक्षा लेने के पश्चात् उन्होंने द्वारिका, पुरी तथा रामेश्वर की सुविस्तृत यात्राएँ की तथा सत्संग का लाभ उठाया। नगर में लौटकर उन्होंने सुखानन्द की बगेची को अपना साधना- स्थल बनाया और वह त्याग, तप तथा द्वन्द्व सहन आदि के द्वारा जीवन परिष्कार में लग गई। इसी स्थान में रहते हुए वे अत्यन्त अल्प आहार लेतीं और दीर्घकाल के लिये मौन व्रत धारण कर उन्होंने समाधि को सिद्ध किया। ज्यों- ज्यों अजनेशवर जी की ख्याति बढ़ती गई, लोगो का उनके स्थान पर आवागमन बढ़ने लगा। इसे भक्ति में बाधक समझकर वे फतह बुर्ज में चली गई जो आज एक पहाड़ी के शिखर पर बाईजी महाराज के आश्रम के नाम से जाना जाता है। सन्त अजनेशवर जी (जो जोधपुर वासियों में बाई जी महाराज के नाम से जाने जाते है) की साधना का स्वरूप निर्गुण सन्तों की विचारधारा को ही लेकर चलता है। कालान्तर में अन्य मत तथा पंथों की भाँति उसमें भी गुरु की स्थलपूजा, मूर्तिपूजा आदि तत्वों का समावेश हुआ। अजनेशवर जी ने परमात्मा के मुख्य नाम 'ओम्' तथा उसके सच्चिदानन्द स्वरूप को ही मान्यता दी है। ओम् की महिमा शास्त्रों में सर्वत्र पाई जाती है। यजुर्वेद में उसे आकाश के तुल्य महान् तथा व्यापक बताया गया है।

विशेष कार्य :
सत्संग
ऊँ की महिमा
विधवा परित्याग
महिलाओं को आश्रय, गौ सेवा जैसे अनेकों कार्य

ऐसी महान संत प्रात: पूज्यनीय अंजनेश्वरी माताजी की स्मृति में धार्मिक सेवा क्षेत्र और गौ माता की सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज की प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

खेल के क्षेत्र में

पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद कुशवाहा अवार्ड- 2021

(खेलों एवं उनके विकास में विशेष सेवा कार्य की उपलब्धि)

विशेष कार्य :

पद्म भूषण से सम्मानित जयन्ती राष्ट्रीय खेल दिवस घोषित। सर्वकालीन महान हॉकी खिलाड़ी। हजार से ज्यादा गोल, 3 ओलपिंक गोल्ड

हॉकी स्टीक से कई चमत्कार दिखाने वाले भारत के महान खिलाड़ी पद्म भूषण मेजर श्री ध्यानचंद कुशवाहा का जन्म 29 अगस्त 1905 को हुआ था। आप 16 वर्ष की उम्र में भारतीय सेना में शामिल हो गए। उन्होंने अपनी सेना के कार्यकाल के दौरान गंभीरता से हॉकी खेलना शुरू किया, अक्सर अपनी ड्यूटी के घंटों के बाद रात में देर तक अभ्यास करते थे। वह एक अच्छे खिलाड़ी थे। अपने कौशल के कारण उन्हें भारतीय सेना टीम में खेलने के लिए चुना गया था जो 1926 में न्यूजीलैंड का दौरा करना था। उनकी टीम ने टूर्नामेंट में 21 में से 18 मैच जीते और ध्यानचंद को उनके प्रदर्शन के लिए बहुत सराहना की गई। उन्हें भारत लौटने पर लांस नाइक को पदोन्नत किया गया था। 1928 में फील्ड हॉकी ओलपिंक में पुनः शुरू की गई इस टीम में आपका सलेक्शन हुआ और आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण भारत ने पहला ओलपिंक गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद आपने पीछे मुड़ना नहीं सीखा भारतीय टीम को लगातार 3 ओलपिंक गोल्ड मेडल दिलाने का श्रेय आपको जाता है आपने 1,000 से ज्यादा गोल किए जिसमें 240 अंतर्राष्ट्रीय थे। 1956 में आपको पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपके उत्कृष्ट खेल के विश्व भर में लाखों प्रंशसक थे। अपनी अनोखी हॉकी प्रतिभाओं के लिए उन्हें ''विजार्ड'' कहा जाता था। उन्होंने गेंद पर जबरदस्त नियंत्रण किया और ड्रिबलिंग में एक विशेषज्ञ थे। 1979 में आपकी मृत्यु के पश्चात आपकी स्मृति में देश का सर्वोच्च पुरस्कार मेजर ध्यानचंद अवॉर्ड घोषित किया गया और आपके जन्मदिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

ऐसे महान खिलाड़ी हॉकी के जादूगर आदरणीय पद्म भूषण मेजर श्री ध्यानचंद कुशवाहा की स्मृति में खेलकूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कार्य करने वाले प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

उत्कृष्ट कला क्षेत्र में

पद्मश्री नेकचंद सैनी अवार्ड- 2021

(कला केक्षेत्र में विशेष सेवा कार्य की उपलब्धि)

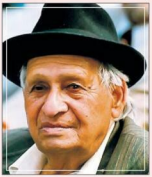

विशेष कार्य :

कचरे एवं अनउपयोगी पत्थरों से अनोखे गार्डन का निर्माण। पद्मश्री से सम्मानित विश्व धरोहर रॉक गार्डन के जनक

चंडीगढ़ के विश्व प्रसिद्ध रॉक गार्डन के क्रिएटर पद्मश्री नेकचंद सैनी का जन्म 15 दिसबंर, 1924 को पाकिस्तान में हुआ था। 1947 में वे भारत में आ गए और चंडीगढ़ में पीडब्ल्यूडी में रोड इंस्पेक्टर के तौर पर नियुक्त हुए। 1958 से अपने खाली समय में श्री नेकचंद सैनी ने एक बगीचे के लिए सामग्री इकट्ठा करना शुरू कर दिया, जिसे उन्होंने शहर से सटे एक जंगल में बनाने की कल्पना की थी। 18 वर्षों तक उन्होंने चट्टानों और पत्थरों, कचरे के ढेर से पुनर्नवीनीकरण कचरे, और 20 या इतने छोटे गांवों से मलबे को खोजने के लिए बाइक द्वारा शहर और ग्रामीण इलाकों में नेविगेट किया, जिन्हें नया शहर बनाने के लिए समतल किया गया था। 1965 में उन्होंने बगीचे का निर्माण और व्यवस्थित करना शुरू किया। चूंकि यह संरक्षित सार्वजनिक भूमि थी, जिसे सरकार द्वारा नो -बिल्डिंग ज़ोन के रूप में नामित किया गया था, आपने अवैध रूप से, गुप्त रूप से यह काम किया था। लेकिन1972 में एक सरकारी अधिकारी ने इस परियोजना की खोज की और श्री नेकचंद सैनी के बगीचे के लिए जनता के समर्थन से 12 एकड़ को कवर करते हुए - सरकार ने इसे नष्ट नहीं किया। इसके बजाय आपको सरकारी देखरेख में लाया गया, और परियोजना की देखरेख के लिए आप को ही काम पर रखा गया और इसके पुरा होने में सहायता के लिए 50 कर्मचारी दिए गए। अल्प समय में आपका रॉक गार्डन राष्ट्रीय धरोहर बन गया। 1980 में उन्हें पेरिस शहर से वर्मील के ग्रैंड मेडल से सम्मानित किया गया था। 1983 में बगीचे को भारतीय डाक टिकट पर चित्रित किया गया था और एक साल बाद आपको को पद्म श्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

ऐसे महान कलाप्रेमी आदरणीय श्री नेकचंद सैनी की स्मृति में कला में विशिष्ट सेवा के लिए अनुकरणीय कार्य करने वाली प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

विशेष कार्य :
पद्मश्री सम्मान
बाघों के संरक्षण में योगदान।
वन्य जीवों हेतु विभिन्न अभयारण्यों के प्रणेता
पर्यावरण प्रेमी

पर्यावरण क्षेत्र में

पद्मश्री कैलाश सिंह सांखला अवार्ड- 2021

(पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष सेवा कार्य की उपलब्धि)

टाइगर मैन ऑफ इण्डिया के नाम से संपूर्ण विश्व में विख्यात श्री कैलाश सिंह सांखला का जन्म 6 मार्च, 1925 को हुआ था। आप प्रथम विचारक एवं भारतीय वन सेवा के अधिकारी थे जिन्होंने वर्ष 1967 में बाघ संरक्षण की आवाज उठाई। आपने लुप्त हो रहे बाघों के शिकार पर प्रतिबंध लगाने का सघन अभियान चलाया। आपके अथक प्रयासों से बाघों के शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध संभव हुआ। आपने विश्व में बाघ को संरक्षित प्रजाति घोषित कराया। भारत सरकार ने आपको राष्ट्रीय बाघ योजना का प्रथम निदेशक नियुक्त किया था। आपके निर्देशन में बाघ परियोजना प्रारंभ हुई। जीवनपर्यन्त, वन्य प्राणियों के आवासों के लिए कई अभयारण्यों एवं राष्ट्रीय उद्यानों केवलादेव, रणथम्भौर, सरिस्का तथा मरूस्थलीय अभयारण आदि प्रमुख है। आप कई राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय प्रकृति संस्थानों से जुड़ कर वन्यजीवों की रक्षा एवं पर्यावरण के लिए आजीवन कार्य किया। आपको मरणोपरांत पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में कैलाश सांखला राष्ट्रीय उद्यान बनाने एवं कैलाश सांखला स्मृति वन्यजीव पुरस्कार भी प्रारंभ किया। हाल ही में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने उनकी स्मृति में जोधपुर में विशेष अभयारण्य बनाने के स्थान उपलब्ध कराने के साथ करोड़ो रूपए का बजट दिया है।

ऐसे महान पर्यावरण प्रेमी आदरणीय श्री कैलाश सांखला की स्मृति में पर्यावरण एवं वन्यजीवों की सेवा के अनुकरणीय कार्य करने वाली प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

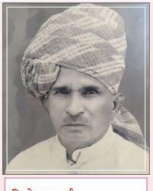

विशेष कार्य :
एशिया की सबसे बड़ी माइन्स उद्योगपति, हजारों लोगों को रोजगार देने वाले, दान पुण्य, कन्या विवाह के लिए विशेष योगदान, शिक्षा के लिए सैकड़ों कमरों का निर्माण, देश में एकमात्र हाईवे चोराहे पर आपकी प्रतिमा स्थापित

महान भामाशाह एवं दानवीर

श्री शिवजी सिंह कच्छवाह अवार्ड - 2021

(भामाशाह एवं सामाजिक सहयोग के क्षेत्र में विशेष योगदान)

समाज के बड़े दानवीर उद्योगपति श्री शिवजी सिंह जी कच्छवाहा का जन्म 21 जून, 1902 को नागोरी बेरा मण्डोर निवासी श्री अमरसिंह जी के यहां हुआ। शिवजी सिंह जी बाल्यकाल से ही कुशाग्र बुद्धि थे सुमेर स्कूल से शिक्षा प्राप्त के बाद वे 15 वर्ष की अल्प आयु में ही जीविकापार्जन हेतु सोजत चले गए और वहां चूने का व्यवसाय प्रारंभ किया। उस समय अनेकों कठिनाईयों को दूर करते हुए आपने अपने व्यवसाय में सफलता के अनेकों झण्डे गाड़े सोजत लाइम कम्पनी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है राजस्थान ही नहीं पूरे देश में सोजत लाइम कम्पनी का नाम है। इस कम्पनी का हाईड्रेड लाइम उद्योगों के लिए अत्यन्त उपयोगी एवं उच्च क्वालिटी का माना जाता है। 5 मजदूरों से आरंभ किया यह उद्योग 5,000 से अधिक श्रमिकों का परिवार बन गया और शिवजी सिंह जी को सभी पिताजी के नाम से संबोधन करते थे। लोकप्रियता एवं दानवीरता के चलते अनेकों अनेक दूर दराज के निवासी भी उनके पास बेझिझक सहायता के लिए जाते और कभी खाली हाथ नहीं आते।

दानवीरता के लिए सर्वत्र प्रसिद्ध शिवजी सिंह जी ने अनेकों विद्यालयों को आर्थिक सहायता दी और सेकड़ों कमरों का निर्माण कराया यहीं नहीं गरीबों की पुत्रियों के विवाह हेतु सहायता देने के कारण उनको लोग घेरे ही रहते थे तथा उन्हें सेठ राजा कर्ण ही कहते थे। आप सोजत रोड की न्याय पंचायत के कई वर्षों तक अध्यक्ष रहे। उनकी ईमानदारी तथा निष्पक्षता की सदा सभी वर्गों ने प्रशंसा की। आप इसके अलावा अनेकों संगठनों के अध्यक्ष रहे और अपने श्रेष्ठ कार्यों से सभी के प्रिय थे। आपके यहां का चूना सामाजिक संस्थाओं, मंदिरों, गौशालाओं एवं शिक्षा के लिए बनने वाले विद्यालयों के लिए असीमित मात्रा में निःशुल्क प्रदान किया जाता था। बालिकाओं की शिक्षा के लिए भी आपने सेकड़ों बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए लाखों रूपये का सहयोग किया था। आप हर अमावस्या को सैकड़ों लोगों को 2 मीटर सूती कपड़ा हर एक को निःशुल्क देते थे जिसके लिए दूर दराज क्षेत्रों से लोग गाड़ियों, बसों और ट्रेनों में भर कर आते थे आप उनको भोजन भी कराते थे। आप के नाम से धोती का ब्रांड आज भी चलता है।

पूरे देश में आपकी ख्याति थी 22 अक्टूबर, 1983 को जब आपका देहांत हुआ तो हजारों लोग पिताजी आप हमें अकेला छोड़ कहां चले गए कहते हुए फूट फूट कर रोने लगे। आपके सेवा कार्यों के सम्मान में देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मात्र प्रतिमा एवं चौराहा है जो आज भी कायम है।

ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी के सम्मान में श्रेष्ठ भामाशाह क्षेत्र में समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के नागरिक को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

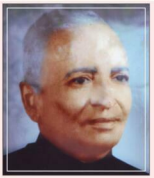

विशेष कार्य :
WHO में सेवाएं
सर्व समाज को
नि:शुल्क मेडिकल
सेवा घर घर जाकर
प्रदान करना।
शिक्षा प्रेमी

चिकित्सा के क्षेत्र में

डॉ. ओमदत्त भाटी अवार्ड - 2021

(चिकित्सा सेवा में विशेष उपलब्धि)

15 फरवरी 1906 को जन्में डॉ. ओमदत्त भाटी ने नवम्बर 1929 से 30 वर्षों तक राजकीय सेवा करने के पश्चात 1959 में विश्व स्वास्थ्य संघ (WHO) के तत्वावधान में श्रीलंका में 1962 तक सेवाएं प्रदान की। आपने बिना किसी भेदभाव के, सर्व समाज के लोगों को नि:शुल्क सेवा द्वारा पितृभक्ति तथा सार्वजनिक सेवा का उस जमानें में उत्तम और अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

आपको आमजन ने उस समय चंदा इकट्ठा कर कार भेंट करनी चाही लेकिन आपने उसे स्वीकार नहीं किया। आप जोधपुर तथा आस पास के क्षेत्र में साइकिल पर टूटी फूटी सड़कों पर बीमार मरीज का घर-घर जाकर नि:शुल्क ईलाज करते थे। आप शिक्षा प्रेमी थे आपके दो कार्यकाल में सुमेर स्कूल का मिडिल से हाई एवं हाई स्कूल से हायर सैकण्डरी स्कूल बनानें में विशेष योगदान रहा था। आप विधानसभा के लिए भी चुने गए तथा बराबर सक्रिय रहे। आपमें सेवा करने की अकूट श्रद्धा थी जो कि आज भी याद की जाती है।

ऐसी महान सेवक परम आदरणीय डॉ. ओमदत्त भाटी की स्मृति में चिकित्सा सेवा के लिए अनुकरणीय कार्य करने वाले समाज के उत्कृष्ट डॉक्टर्स को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

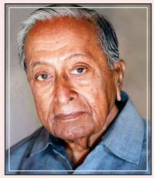

विशेष कार्य :
लावारिस और कचरे में
पड़े नवजातों
का लालन पालन
1400 बच्चों को पिता
का नाम देने वाले
दर्जनों अनाथ लड़कियों
का कन्यादान करना।
परिवार से प्रताड़ित
बुर्जगों को आश्रय प्रदान
करने वाले

विशिष्ठ सेवा क्षेत्र में

भगवान सिंह परिहार अवार्ड- 2021

(लावारिस एवं प्रताड़ित बच्चों एवं बुर्जगों की सेवा कार्य की उपलब्धि)

संसार में मनुष्य रूप में भी कुछ ऐसे ''देवपुरूष'' है जो मनुष्य योनि में जन्म लेकर भी देवताओं जैसे कार्य करते है। उनके प्रत्येक कर्म निस्पृह, निरीह, कामना रहित होते है। परोपकार में सतत् लगे रहना तथा नाम, यश, मान-सम्मान की इच्छा भी नहीं करना। ऐसे ही देवपूरूषों में गिने जाने योग्य है मारवाड़ जोधपुर के श्री भगवान सिंह परिहार थे। आपने आजीविका के निमित विभिन्न गौरवशाली पदों पर कार्य किया तथा पद-प्रतिष्ठा भी प्राप्त की। किंतु इनके अन्तर्मन को यह सब कुछ अच्छा नहीं लगा। आपने मानव जीवन की सार्थकता के लिए इन सबसे हटकर और कुछ नया करने की ठानी। दृढ़ संकल्प एवं प्रबल इच्छाशक्ति के समक्ष विध्न-बाधाएँ दूर होकर सफलता का मार्ग स्वत: प्रशस्त हो जाता है। अविस्मरणीय तथ्य यह है कि आपने ऐसे बच्चों के कल्याण का मार्ग चुना जिन्हें माता-पिता भी त्याग देते है भगवान भी जिने मुँह मोड़ लेता हैं इसके साथ ही परिवार से प्रताडित बुजर्गों के उत्कृष्ट सेवा का मार्ग चुना। अपने 87 वर्षीय जीवन में श्री भगवान सिंह परिहार ने परमार्थ के कितने कर्म और किस स्तर पर किए है यह शोध का विषय है। नवजीवन संस्थान (लव-कुश संस्थान), आस्था, बाल शोभागृह, लव-कुश बाल विकास केन्द्र, गायत्री बालिका विकास गृह जैसे पवित्र स्थलों पर श्री परिहार के परमार्थ व सर्वोच्य विचारधारा के कथा स्वयं कहेंगे।

ऐसी महान कर्मयोगी प्रात: स्मरणीय आदरणीय श्री भगवान सिंह परिहार की स्मृति में पीड़ित एवं शोषित लावारिस बच्चों एवं परिवार से प्रताडित बुजर्गों सेवा के अनुकरणीय कार्य करने वाली प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

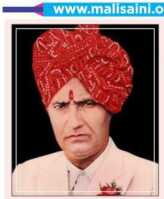

नगर सेठ

श्री शंकरलाल परिहार अवार्ड - 2021

(सार्वजनिक निर्माण क्षेत्र में विशेष उपलब्धि)

नगर सेठ श्री शंकरलाल परिहार का जन्म 13 सितंबर, 1904 को सूरसागर जोधपुर में हुआ। चार वर्ष की उम्र में ही आप पर आपके पिताजी का साया उठ गया। अतः आपका लालन पालन आपकी माताजी ने किया। आपने कुछ अर्से तक बाल्य अवस्था में अपने पितामह छोगालाल बाद में ठेकेदार प्रतापसिंह कच्छवाह के संरक्षण में काम धंधे का अनुभव प्राप्त किया। 20 वर्ष की आयु में ही आपने पत्थर का कारोबार स्थापित किया। आपकी मिलनसारी, कुशलता, त्याग, शांत स्वभाव, व्यवहार कुशलता से आम जनता ने सेठजी की उपाधि दी व छोटे-बड़े सभी लोग आपको सेठजी के नाम से जानने लगे। सेठ साहब की रूचि समाजसेवा व धार्मिक कार्यों में भी बराबर रही। सन् 1935 में जोधपुर नगर में अकाल से राहत पाने के लिए एक आपातकालीन योजना हेमावास, पाली व सरदार समन्द बांध नहर बनाने के लिए बनी। उसमें नहर के लिए विशेष भाग को बचाने के लिए राज्य सरकार ने आपको ठेका दिया। आपने पूरी लगन से नहर का कार्य पूरा किया व गर्मी की ऋतु प्रारम्भ होने से पूर्व कार्य पूरा किया व जोधपुर तक पानी पहुंचा दिया। जोधपुर के तत्कालीन महाराजा श्री उम्मेदसिंह जी ने नहर का उद्घाटन के समय अपने कर कमलो से सनद प्रदान कर आपको सम्मानित किया। सन् 1939 से 1944 में जोधपुर सरकार ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जोधपुर में जब अमेरिकन वायुसेना, ब्रिटिश वायुसेना व भारतीय वायुसेना का केन्द्र बनाया गया, तब आपको उस वक्त हवाई अड्डे बनाने के कार्य में सारा पत्थर सप्लाई का कार्य सौंपा गया जिसे आपने समय पर पूर्ण किया। इसके अलावा जोधपुर रेलवे स्टेशन का निर्माण, महात्मा गांधी हॉस्पिटल का निर्माण, उम्मेद अस्पताल का निर्माण, पुराना हाई कोर्ट जुबली चेंबर का निर्माण, पब्लिक पार्क स्थित संग्रहालय का निर्माण कराया। आपके उत्कृष्ट कार्यों के कारण आपको भारत के महामहिम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी द्वारा सम्मानित भी किया गया। जोधपुर के प्रसिद्ध उम्मेद भवन बनाने का कार्य तब की राज्य सरकार ने पी.डब्ल्यू.डी. से कराया तब भी उम्मेद भवन में पत्थर सप्लाई का कार्य आपने कुशलतापूर्वक यथासमय पर पूरा किया। शिक्षा के क्षेत्र में आप सूरसागर में कन्या पाठशाला बनाने के कार्य में अग्रणी थे। शिक्षा प्रचार संघ की स्थापना व जोधपुर आर्यसमाज भवन बनाने में भी आप आगे रहे। धर्म के क्षेत्र में कालूगमजी की बावड़ी के महादेवजी का मन्दिर की स्थाई आमदनी के लिए दूकानें बनाने में आप सबसे आगे रहे। आप समाज की श्री सूर्य स्कूल की कार्यकारिणी में कई वर्षों तक सदस्य रहे। सूरसागर आर्य समाज के भी वर्षों तक प्रधान रहे। जाति संगठन व कुरीतियाँ मिटाने में आपने समाज हित के कई प्रंशसनीय कार्य किये। आप ऑल इण्डिया सैनी कुशवाहा समाज स्वर्ण जयंति समारोह गुड़गांव (हरियाणा) 8 मार्च, 1975 में अध्यक्ष बनाए गए। राजनैतिक क्षेत्र में भी आपको काफी ख्याति मिली। कुछ वर्षों तक आप सूरसागर क्षेत्र में नगर परिषद के सदस्य भी रहे व 1954 - 55 में जोधपुर नगर परिषद के अध्यक्ष पद पर रहकर भी सेवा की।

आप आज की युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श **Entrepreneur** के सम्मान में सार्वजनिक निर्माण क्षेत्र में समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के नागरिक को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

विशेष कार्य :

हेमावास, सरदार समंद बांध के निर्माता उम्मेद भवन हेतु जोधपुर पत्थर की सप्लाई जोधपुर रेलवे स्टेशन गांधी एवं उम्मेद अस्पताल का निर्माण। विश्व युद्ध के समय हवाई अड्डे का विशेष निर्माण राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित

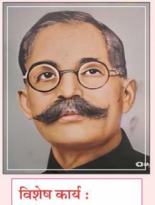

इतिहासकार

श्री जगदीश सिंह गहलोत अवार्ड- 2021

(इतिहास वं लेखन के क्षेत्र में विशेष सेवा कार्य की उपलब्धि)

राजस्थान के गौरवशाली इतिहास को एकसूत्र में पिरोने का कार्य को समाज के इतिहासकार श्री जगदीश सिंह गहलोत ने प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। किसान परिवार में 14 जनवरी 1896 को जन्में जगदीश सिंह गहलोत ने आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने पर भी विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा अर्जन कर रेलवे में गार्ड की नौकरी से अपना जीविकोपार्जन प्रारंभ किया। किंतु आपकी रूचि समाज के उत्थान व साहित्य में अधिक थी। आपने 1937 में राजपूताने का इतिहास का का प्रकाशन कराया जिसमें यहां की रियासतों की प्रमाणिक सामग्री उपलब्ध कराई। आपके उत्कृष्ट सेवाओं के कारण आपको राज्य के पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग में वरिष्ठतम संग्रहालय अध्यक्ष का पद दिया गया। आपका राजस्थानी भाषा के प्रति भी अगाढ़ प्रेम था आपने इसके प्रचार प्रसार के लिए राजस्थानी सम्मेलन (अकादमी) की स्थापना भी की। आप साहित्कार के साथ एक उत्कृट समाज सुधारक भी थे। अपने समाज के उत्थान एवं एकीकरण के लिए अनेकों कार्य किए मार्च 1919 में हरिद्वार में सैनी क्षत्रिय महा सम्मेलन में भाग ले अखिल भारतीय स्तर पर समाज को एकजुट करने का कार्य किया। साथ ही आपके अथक प्रयासों से ही 1931 की जनगणना में सैनिक क्षत्रिय शब्द को मान्यता मिली। आपने सैनी समाचार एवं सैनी शुभचिंतक नामक पत्रिकाओं के संपादन एवं प्रकाशन भी किया।

ऐसे उत्कृष्ट इतिहासवेदा एवं विद्वान आदरणीय श्री जगदीश सिंह गहलोत की स्मृति में इहिहास एवं लेखन के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने वाली प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

विशेष कार्य :

समाज के गौरवशाली इतिहास का लेखन उत्कृष्ट साहित्कार सुदृढ़ समाज के निर्माण हेतु विशेष योगदान। राजस्थानी भाषा के लिए विशेष कार्य करना

उद्योगिक विकास क्षेत्र में

श्री शिवराम सिंह गहलोत अवार्ड- 2021

(उद्योगिक एवं व्यवसायिक क्षेत्र में विशेष सेवा कार्य की उपलब्धि)

विशेष कार्य :
हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना पश्चिम राजस्थान के सबसे बड़े ऑटो मोबाईल इण्ड. डीलर विश्व युद्ध के समय सेनिकों को विशेष मोटर ट्रेनिंग सेवाएं प्रदान करना

सौम्य एवं आकर्षक व्यक्तित्व के धनी श्री शिवराम सिंह गहलोत का जन्म 3 जून, 1896 को हुआ। आप जीवन में अनुशासनप्रियता, कठिन परिश्रमी जीवन, साहसिक कृत्य एवं दृढ़ निश्चय के लिए प्रख्यात थे। आपकी निष्ठा, कर्तव्यपरायणता को देखते हुए द्वितीय विश्व युद्ध के समय आपको सैनिक अधिकारियों को मोटर ट्रनिंग शिक्षण का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया। युग परिवर्तन के साथ हमारे समाज के अनेक लोगों ने विभिन्न व्यवसायों में दक्षता, विशिष्टता एवं व्यापकता प्राप्त की, किंतु व्यवसायिक क्षेत्र में श्री शिवराम सिंह की कार्यशैली अनुपम एवं विशिष्ट रही। अपने पिताश्री साहिबराम गहलोत के मार्गदर्शन में हेमावास एवं सरदारसमंद बांध का निर्माण कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1943 के उस जमाने में आपने जोधाणा संभाग में उबड़ खाबड़ सड़कों पर बसें चलाने का चुनौतीपूर्ण कार्य आपने आरंभ किया। आपका यह व्यवसाय आमजन को सुविधा प्रदान करने के साथ ही छुआछूत मिटाने में भी सफल रहा। आपने सैनिक मोटर्स की स्थापना कर बस सेवा शुरू की जो नियमितता एवं समय की पांबदी के लिए विख्यात रही। सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में आपकी बस सेवा निःशुल्क होती थी। निर्धनों का इलाज कराना, अस्पताल पहुंचाना, शवों को उनके घरों तक पहुंचाना आपके स्वभाव के अभिन्न अंग थे। आपने मोटर गाड़ी बेचने का व्यवसाय भागीदारी में शुरू किया फिर 1945 में आपने फोर्ड कार एवं ट्रकों को भारत में बेचना प्रारंभ किया यहीं नहीं फर्ग्यूसन ट्रैक्टर्स बेचने का कार्य भी आपने शुरू किया जो आज भी आप ही के परिवार द्वारा किया जा रहा है। आपने आज तक हजारों लोगों को रोजगार दिया। समाज सेवा के लिए भी चैनपुरा स्कूल, शिवराम नत्थूजी टाक चिकित्सालय के साथ ही अनेकों सेवा के आयाम स्थापित किए। आपके सेवा कार्यों का उल्लेख जितना किया जाए कम है।

ऐसे उत्कृष्ट उद्योगपति, अद्भुत व्यवसायी आदरणीय श्री शिवराम सिंह गहलोत की स्मृति में उद्योग एवं व्यवसायिक क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य करने वाली प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

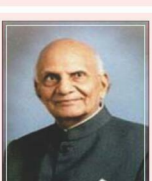

प्रशासनिक सेवा क्षेत्र में

जस्टिस श्री कानसिंह परिहार अवार्ड- 2021

(प्रशासनिक सेवा क्षेत्र में विशेष सेवा कार्य की उपलब्धि)

विशेष कार्य :
सत्यवादी कर्तव्यनिष्ठ न्यायाधीश कानसिंह आयोग हजारों शिकायतों का निवारण। विश्वविद्यालय में कुलपति पद को सुशोभित करने वाले

धीर गंभीर मारवाड़ की लोक अस्मिता के कल्पवृक्ष, आध्यात्मिकता और समाजसेवा के तपोपूत व्यक्तित्व, कृषक-आंदोलन के प्रेरणापुंज विधशास्त्र के यशस्वी विख्यात न्यायधिपति श्री कानसिंह परिहार का जन्म 30 अगस्त, 1913 को हुआ। विद्यालय एंव कॉलिज शिक्षा के समय ही आपकी गणना अति विशिष्ट एवं विलक्षण प्रतिभाशाली विद्यार्थी के रूप में की जाती थी। 1936 में आपने वकालत प्रारंभ की और अल्प काल में ही आप प्रसिद्ध हो गए। 1944 में आप का राजकीय सेवा में चयन हो गया। आप पुलिस मजिस्ट्रेट, हाकिम फलौदी, शेरगढ़, सहायक निदेशक सिविल सप्लाई जैसे पदों पर कार्य करते हुए विधि परामर्शी बने। 1953 में राजस्थान बार कौंसिल के प्रथम सदस्य और फिर 1960 में गर्वमेंट एडवोकेट बने। 4 अगस्त 1964 को आप राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति बने। 1975 सेवानिवृति के पश्चात राजस्थान सरकार ने कानसिंह आयोग की स्थापना की आपने 19 महीने में 70,000 शिकायतों की रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की। आपको जोधपुर विश्वविद्यालय का कुलपति भी नियुक्त किया गया। आपके अल्प कार्यकाल में परीक्षा प्रणाली, प्रशासन, छात्रावास व्यवस्था में महान सुधार किये, वे चिरस्मरणीय हैं। आपको कुशल प्रशासक के साथ निष्पक्षता, निर्भीकता एवं उदार मन से सभी के दिलों में अमिट छाप छोड़ी है।

ऐसे उत्कृष्ट न्यायप्रिय न्यायाधीश आदरणीय श्री कानसिंह परिहार की स्मृति में प्रशासनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य करने वाली प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

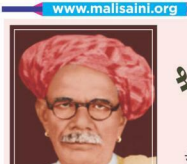

दानवीर भामाशाह

श्री रघुनाथ दास परिहार अवार्ड- 2021

(सामाजिक क्षेत्र में आर्थिक सहायता प्रदान करने की उपलब्धि)

सेठ श्री रघुनाथदास परिहार का जन्म 28 अगस्त, 1882 को हुआ था। आप एक उत्कृष्ट व्यवसायी थे और सादे जीवन एवं उच्च विचार के कारण विख्यात थे। आप मारवाड़ चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स के संस्थापक सदस्य भी थे। शिक्षा के प्रति आपके आगाध प्रेम के कारण आपने अनेकों विद्यालयों में शिक्षा हेतु कमरों का निर्माण कराया। आपने जालोरी गेट स्थित क्षय चिकित्सालय का निर्माण सन् 1943 में कराया था। आपकी उदारता, परोपकारी कार्यों पर जोधपुर नरेश श्री उम्मेद सिंह ने सोना पालकी सिरोपांव भेंट कर सम्मानित किया। आपकी धर्मशाला बनाने की तीव्र इच्छा थी और जोधपुर रेलवे स्टेशन के सामने सेठ रघुनाथदास परिहार धर्मशाला का निर्माण कराया। अति आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह धर्मशाला और मांउट आबू पर्वत पर भी सर्वसुविधा युक्त धर्मशाला के माध्यम से आज तक लाखों लोगों को सुविधाजनक और बहुत ही कम दर पर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रसिद्ध है आज भी इस धर्मशाला में ठहरने के लिए यात्रियों श्रेष्ठ सुविधाएं को प्राप्त करने के लिए इंतजार करना पड़ता है

ऐसे उत्कृष्ट भामाशाह आदरणीय सेठ श्री रघुनाथ दास परिहार की स्मृति में सामाजिक संस्थाओं एवं सेवा कार्यों में आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाली प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

विशेष कार्य :

क्षय चिकित्सालय का निर्माण, धर्मशाला के माध्यम से श्रेष्ठ एवं सुलभ सेवाएं। विद्यालयों में कमरों का निर्माण

संगीत के क्षेत्र में

श्री रामेश्वर सिंह गहलोत अवार्ड- 2021

(संगीत एवं गायन में विशेष उपलब्धि)

चालीस के दशक में सूर्यनगरी के की आवाज लाख की बनी रिकार्ड पर अंकित कर देश के कोने-कोने पर पहुंचने वाले करिश्माई व्यक्तित्व के धनी रामेश्वर सिंह गहलोत का जन्म 26 सितम्बर, 1917 को हुआ। आपके पिता दुर्गासिंह गहलोत शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी थे तथा सोजती गेट पर एक जनरल स्टोर चलाते थे। इस दुकान में राजा-महाराजाओं की पोशाकों के अलावा पोलो खिलाड़ियों के कपड़े भी तैयार होते थे। राजनीति के प्रति आपकी रूचि वैसे शुरू से ही थी अत: वर्ष 1943 में वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पहली बार नगरपालिका सदस्य बने। वर्ष 1951 में वे नगरपालिका में सदस्य कमेटी के संयोजक तथा अगले वर्ष वे नगरपालिका के चेयरमेन बने और करीब ढाई वर्ष तक इस पद पर रहते हुए नगर के विकास में भरपूर योगदान देने का प्रयास किया। राजेन्द्र चौक घंटाघर के पास पार्क व दुकानें बनवाने, सिवांची गेट को कोट की बारी तोड़कर रास्ता चौड़ा करवाने, बागर में सीताराम बेवी पार्क बनवाने, फूलेराव घाटी के पास पार्क बनवाने, महात्मा गांधी अस्पताल के सामने बारी तोड़कर रास्ता चौड़ा करने आदि कई कार्य भी उनकी देखरेख में हुए। सांस्कृतिक नगर जोधपुर में पहले दरबार की ओर से रावण का मेला आयोजित किया जाता था, लेकिन कुछ न कुछ नया करने का प्रयास करने वाले रामेश्वर सिंह ने वर्ष 1953 में पहली बार नगरपालिका की ओर से रावण का मेला आयोजित किया था। वे जोधपुर में रोटरी क्लब के संस्थापक सदस्य रहे हैं। 'मारवाड़ी रिकार्ड कंपनी' ने वर्ष 1935 में लाहौर जाकर रिकॉर्डिंग कराई, जिसमें राजस्थानी गीतों के अलावा गजल व कव्वाली के जलवे भी थे। इसके बाद इस कंपनी ने भारत भर में अपनी पहचान बना ली। शादी के मौके के लिए तैयार की गई इनकी रिकॉर्डिंग में 'पाट' बैठने से लेकर 'विदाई' तक के गीत मौजूद हैं, जिसे हर तरफ वाहवाही मिली। मात्र चौदह वर्ष की उम्र में दुकान पर बैठना शुरू करने वाले रामेश्वर सिंह गहलोत वर्ष 1937 में इस व्यवसाय में पूरी तरह जुट गए थे। उन्होंने करीब 1,400 गानों की रिकॉर्डिंग की, जिसमें मारवाड़ी गीतों के अलावा भजन भी शामिल है। इसके लिए उनका एच.एम.वी. कंपनी के साथ अनुबंध था। एच.एम.वी. ने उत्तर भारत में सर्वाधिक बिक्री के लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया था। इसके अलावा वे एच.एम.वी. कंपनी के नार्दर्न डीलर्स एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष व सचिव भी रहे। आज भी करीब डेढ़ हजार मारवाड़ी गीतों का संग्रह है। उन्होंने मेवाती गानों की भी रिकॉर्डिंग की थी। यही नहीं उन्होंने स्वयं भी कई गानें व भजन लिखे हैं। 'गम दिए मुस्तकिल, कितना नाजुक है दिल ये न जाना, हाय हाय ये जालिम जमाना' चोटी के संगीतकार नौशाद की बनाई धुन पर चालीस के दशक में फिल्म शहंशाह के लिए के. एल. सहगल का गाया यह गीत आज भी आम लोगों में चर्चित है। यह बहुत कम लोग जानते हैं कि उन दिनों इस मशहूर गीत को बनाने में मारवाड़ी रिकॉर्ड कम्पनी का बहुत बड़ा हाथ था। मारवाड़ी रिकॉर्ड म्यूजिकल वॉयस ने इस प्रकार न सिर्फ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित किया वरन् यहां की जबरदस्त लोककला को जाने अन्जाने में फिल्मों के माध्यम से लाखों लोगों तक भी पहुंचाया।

ऐसे महान संगीत प्रेमी आदरणीय श्री रामेश्वर सिंह गहलोत की स्मृति में संगीत एवं गायन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज की प्रतिभा को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

विशेष कार्य :

संगीतकार 1400 गानों की रिकॉर्डिंग। 1500 मारवाड़ी गीतों का विशेष वैवाहिक संग्रह। रावण मेला एवं जोधपुर में अनेकों मार्केट का निर्माण करवाना। पालिका अध्यक्ष कार्यकाल में विकास कार्यों के लिए विख्यात

भोपालगढ़ माली सैनी शिक्षण संस्थान के चुनाव सम्पन्न

सोलंकी अध्यक्ष व सैनी उपाध्यक्ष बने
जगह-जगह हुआ सम्मान

भोपालगढ़। सैनी शिक्षण संस्थान के वार्षिक चुनाव रविवार को संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी अल्फ्राम टाक ने बताया कि अध्यक्ष पद हेतु रामजीवन सोलंकी 268 मत से विजय हए। उपाध्यक्ष श्यामलाल सैनी 79, सचिव रामनिवास भाटी 141, कोषाध्यक्ष झीपराम सोलंकी 29 मतों से विजय हुए।

सोलंकी के अध्यक्ष बनते ही कार्यकर्ताओं ने विजयी प्रत्याशियों का स्वागत किया। नवनियुक्त अध्यक्ष रामजीवन सोलंकी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जो समाज की नई सोच बनी है। उसे मजबूत करने के लिए काम किया जाएगा। इस अवसर पर मोहनराम देवड़ा, शिक्करण सैनी, जवरीलाल सोलंकी, अर्जुनराम भाटी, पांचाराम सोलंकी पालड़ी, रामदीन देवड़ा, कालूराम सोलंकी, मदन लाल सोलंकी, थानाराम सोलंकी, मूलाराम भाटी, जवरीलाल सोलंकी, गोधनराम सोलंकी, मुल्तानाराम देवड़ा, मनसुख भाटी, रामस्वरूप भाटी, सुभाष देवड़ा, चम्पालाल, दिनेश, रामेश्वर, राम सोलंकी केवलराम सोलंकी, बालाराम देवड़ा, शंकराराम भाटी, भाकराराम, श्याम सोलंकी पारस सोलंकी, राजेंद्र देवड़ा, रामनिवास सोलंकी, माणकराम देवड़ा, राधाकिशन सोलंकी, मलाराम, महेंद्र

भाटी,नारायणराम भाटी, हेमसिंह सोलंकी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। उधर, सैनी शिक्षण संस्थान भोपालगढ़ के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए रामजीवन सोलंकी का ईदिरा सर्किल पर पर स्वागत समारोह हुआ। संत लिखमीदास युवा वाहिनी तहसील अध्यक्ष महेंद्र प्रताप देवड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में समाजसेवी शिवकरण सैनी, सैनी शिक्षण संस्थान के पूर्व अध्यक्ष पांचाराम सोलंकी, मुल्तानाराम देवड़ा, मूलाराम भाटी, बालाराम देवड़ा, हरेंद्र देवड़ा, कालूराम सोलंकी, महात्मा ज्योतिबा फुले तहसील संयोजक रामस्वरूप देवड़ा, श्याम सोलंकी आदि ने सोलंकी का स्वागत कर बधाई दी।

सेहवाज में चार दिवसीय आई माता मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न

बगड़ी नगर । निकटवर्तह सेहवाज गांव में माली समाज द्वारा निर्मित आई माता मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा मूर्ति व कलश स्थापना के साथ चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। सीरवी समाज के धर्मगुरु व आई पंच के दीवान माधव सिंह के सानिध्य में मूर्ति स्थापना कार्यक्रम निर्धारित समय में शुभ मुहूर्त पर शुरू हुआ। वैदिक मंत्रोचार के बीच आई माता की भव्य मूर्ति स्थापना की गई । स्थापना के बाद मंदिर के शिखर पर कलश बोली के लाभार्थी परिवार भवरलाल तंवर के परिजनों ने कलश चढ़ाया वहीं ध्वजा के लाभार्थी मांगीलाल पुत्र गणेश राम जमोदिया के परिवार ने ध्वजा चढ़ाई । इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए सीरवी समाज के धर्मगुरु दीवान माधव सिंह ने कहा कि धर्म की जड़ पाताल में होती है ।तथा धर्म-कर्म के कार्यों में खर्च किया गया धन कभी कम नहीं पड़ता है उस धन में हमेशा बढ़ोत्तरी होती है क्योंकि धर्म की जड़ हमेशा हरी भरी रहती है। इसलिए लोगों को अपनी आमदनी का कुछ हिस्सा धर्म-कर्म पर खर्च करना चाहिए। माली समाज द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में माली समाज सेहवाज द्वारा धर्मगुरु दीवान माधव सिंह का भवरलाल तंवर व उसके परिवाजनों ने साफा बंधन व 21 किलो की माला पहनाकर कर बहमान किया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष भोलाराम जमोदिया, सचिव पेमाराम गहलोत, कोषध्यक्ष सुरेश कुमार जमोदिया, शंकरलाल जमोदिया, मोहनलाल जमोदिया सहित माली समाज सेहवाज के ग्रामीण ने संत चेतन गिरी महाराज सहित अन्य संती का भी साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया ।

यह मौजूद थे कार्यक्रम में: बर सरपंच महेंद्र चौहान, बगड़ी सरपंच भुंडा राम चौधरी, समाजसेवी सुनिल सीरवी, जिला परिषद सदस्य पूनाराम चौधरी, पंचायत समिति सदस्य डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. गणपत लाल गहलोत, मनोहर लाल गहलोत, माली समाज चेन्नई के अध्यक्ष शंकरलाल जमोदिया, पारसमल परिहार, मदन लाल टांक, बाबू लाल सांखला, भामाशाह रूगाराम सांखला, सजन राज सांखला, भीमाराम सैणचा, बाबूलाल कच्छवाह, केवल चंद परिहार, चंपालाल, वासुदेव सांखला सहित अन्य अतिथि मौजूद थे।

माली समाज द्वारा धर्मगुरु दीवान माधव सिंह को नगद राशि वह सोने की अंगूठी नजराना के रूप में पेश की गई। भजन संध्या में लगी बोलियां इससे पूर्व रविवार रात्रि को विशाल भजन संध्या आयोजित की गई। जिसमें भजन गायक कलाकार अनिल सेन एंड पार्टी जाऊसर ने साधु भाई विना भजन कुन तरियो जी भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया । कार्यक्रम में इण्डा, ध्वजा, मूर्ति स्थापना एवं नजराने सहित कई बोलीयां लगाई गई। मंच संचालन अनिल मार मारवाड़ जंक्शन ने किया । प्राण प्रतिष्ठा का चार दिवसीय कार्यक्रम में माह प्रसादी के साथ संपन्न हुआ।

संत लिखमीदासजी महाराज स्मारक अमरपुरा का पांचवा पाटोत्सव का हुआ आयोजन

राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

नागौर। अमरपुरा में 6 दिवसीय धार्मिक व शैक्षिक महोत्सव रविवार को विविध कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुए। संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा नागौर के तत्वावधान में यह कार्यक्रम संपन्न हुए। स्मारक लोकार्पण व देव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के 5वें पाटोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित यह कार्यक्रम 6 दिन तक चला। पांच दिवसीय रामकथा के बाद रविवार को माली सैनी समाज का राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न हुआ। साथ ही 5वें पाटोत्सव का भी समापन हुआ। संत रामरतन महाराज बालेसर के पावन सानिध्य में संपन्न इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के उपाध्यक्ष मोती बाबा सांखला की ओर से की गई। जिसमें बालोतरा के प्रसिद्ध राष्ट्रवादी भजन गायक प्रकाश माली ने अपने भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी। प्रोफेसर बाबूलाल देवड़ा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी प्रेमसुख टाक, नव चयनित आरएएस अधिकारी नरसिंह टाक, नागौर अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन जीवनमल भाटी, ज्योतिबा फुले संस्थान के पदाधिकारी मांगीलाल पंवार, आईदानराम भाटी, अधिवक्ता पुरुषोत्तम सोलंकी, सर्वोदय शिक्षण संस्थान के निदेशक पुखराज सांखला, माली संस्थान नागौर के सचिव रामकुमार सोलंकी, रामगोपाल तुनवाल, जगदीश पंवार, डॉ. वीरेंद्र भाटी, डॉ. रामस्वरूप सांखला, शिवराम सैनी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचस्थ रहे। कार्यक्रम में पद्मश्री व पर्यावरणविद् हिम्मता राम भांभू, राष्ट्रीय शिक्षिका पुरस्कार प्राप्त गीता माली व संत लिखमीदास महाराज के भजनों की साहित्य का विवेचना करने वाले डॉ. जेठाराम सुखाड़िया को भी अतिथि के रूप में सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान की कार्यकारिणी के महासचिव राधाकिशन तंवर, कोषाध्यक्ष कमल भाटी, कार्यकारिणी सदस्य पारसमल

सिद्धार्थ सोलंकी

नागौर में बॉलीवुड लिटिल फिल्म स्टार सिद्धार्थ सम्मानित

नागौर में बॉलीवुड लिटिल फिल्म स्टार सिद्धार्थ को किया सम्मानित : कार्यक्रम मे जोधपुर के सूरसागर क्षेत्र के सोढ़ो की ढाणी निवासी बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्रीज के बड़े पर्दे के बाल कलाकार सिद्धार्थ सिंह सोलंकी जो की पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र मे आज तक के इतिहास में सबसे छोटी उम्र में पौधरोपण करने के साथ ही कई ऐसे उल्लेखनीय कार्य किए जो एक रिकॉर्ड है। राज्य स्तर पर बॉलीवुड लिटिल फिल्म स्टार व पर्यावरण प्रेमी सिद्धार्थ का अभिनन्दन करते हुए संस्था के पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

परिहार, धर्मेंद्र सोलंकी, भोमाराम पंवार, भगवानाराम सुंदेशा, गोविंद राम टाक, बाबूलाल परिहार ने भी समाज की प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रो. देवड़ा ने कहा कि विद्यार्थी को परिश्रम की पराकाष्ठा तक संतोष नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम को नव चयनित आरएएस अधिकारी नरसिंह टाक व उपाध्यक्ष मोती बाबा सांखला ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम संयोजक बालकिशन भाटी ने बताया कि चयनित समाज बंधुओं के साथ विविध सेवा कार्य करने वाले समाज बंधुओं का भी सम्मान किया गया।

इस प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में 23 जिलों का प्रतिनिधित्व हुआ जिसमें 560 प्रतिभाएं सम्मानित हुई। कार्यक्रम में 12 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा सात प्रतिभाशाली बंधुओं को रजत पदक व लघु रजत पदक देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य आनंद सिंह कच्छावा, कानाराम सांखला, दौलत भाटी, गगन माली, श्याम सुंदर परिहार, जसवंत गहलोत, सुरेंद्र सोलंकी, धनराज सोलंकी ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन बालकिशन भाटी की ओर से किया गया।

संत शिरोमणि श्रीलिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा, नागौर के तत्वावधान में छह दिवसीय समारोह का शुभारंभ हुआ

नागौर। भव्य स्मारक लोकार्पण एवं देव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पांचवें पाटोत्सव के उपलक्ष में आयोजित यह कार्यक्रम अमरपुरा स्थित परिसर में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर रामस्नेही संत रामरतन महाराज, बालेसर के पावन सान्निध्य में राम कथा प्रारंभ हुई। संत डूंगरदास महाराज के श्री मुख से श्रद्धालुओं को राम कथा का श्रवण का लाभ प्राप्त हुआ। इससे पूर्व संत लिखमीदास जी महाराज की जन्म स्थली बड़की बस्ती, चेनार से मंगल कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। मातृशक्ति द्वारा बाबा रामदेव मंदिर में पूजा अर्चना करके इस शोभायात्रा में सहभागिता व्यक्त की गई। शोभायात्रा बड़की बस्ती, हनुमान बाग, माली संस्थान, विजय वल्लभ चौक, डे चौराहा, नागौर बीकानेर लाडनू बाईपास से होते हुए अमरपुरा गांव पहुंची। गाजे बाजे, घोड़े की सवारी के साथ निकली शोभायात्रा का श्रद्धालुओं द्वारा मार्ग में अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

शोभायात्रा में राधाकिशन तंवर, कार्यकारिणी सदस्य बहादुर सिंह भाटी, पारसमल परिहार, धर्मेन्द्र सोलंकी,, पाराम गहलोत, रामनिवास सोलंकी, मनीराम सांखला, फतहचन्द चौहान, नथमल मिस्त्री, रामजीवण सांखला, , दीपचंद सांखला, जगदीश सोलंकी, बाबूलाल सांखला, बालकिशन परिहार, मंगाराम, सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान सचिव रामकुमार सोलंकी, अशोक, सुरेश सोलंकी, अनिल परिहार, देवकिशन सोलंकी, राधेश्याम टाक, तिलोकचंद परिहार, बजरंग सांखला, सुरजमल सोलंकी, श्रीमती संतोष सोलंकी, पूर्व वार्ड पंच पिंकी, ललिता, सरोज, मिनाक्षी सहित अनेक अनेक श्रद्धालु व मातृशक्ति ने भाग लिया।

संत डूंगर दास महाराज द्वारा रामकथा का शुभारंभ भगवान शिव व सती संवाद से किया। उन्होंने सती के मन में भगवान राम की शक्ति व अवतार के संबंध में उत्पन्न संदेह का विवेचन किया। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि अविश्वास व संदेह सदैव घर गृहस्थी पर आघात करता है। मानवीय जीवन में नमन करने से प्रणाम करने से विनम्रता आती है तथा मन के अनेक दोष, विकार भी दूर होते हैं। इसलिए नमन या प्रणाम करने में कभी भी कंजूसी नहीं करनी चाहिए। संस्थान द्वारा संस्थान के तत्वावधान में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक राम कथा का आयोजन किया गया। शनिवार 4 नवंबर को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें अनेक प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां की गई।

उत्सव सैनी ने जीता ऑल इंडिया मसल मेनिया खिताब

नई दिल्ली। दिल्ली के एनसीयूआई ऑडिटोरियम में आयोजित नेशनल लेवल मसन मेनिया 2021 चेम्पियनशिप में उत्सव सैनी ने क्लासिक फिजिक में प्रथम स्थान एवं मेन्स फिजिक में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली में आयोजित इस कांटेस्ट में ऑल इंडिया से लगभग 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इसके साथ ही उत्सव सैनी ने आगामी वर्ष 2022 में सिंगापुर में आयोजित मसल मेनिया प्रो एशिया के लिए क्वालीफाई किया। उत्सव के अवार्ड जितने पर ब्यावर आदर्श नगर में आज उनके ननिहाल पंहुचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया एवम क्षेत्रवासियों ने अपार हर्ष व्यक्त किया।

इसके साथ ही अनेकों सामाजिक संस्थाओं एवं पदाधिकारियों के साथ ही क्षेत्र वासियों ने उत्सव का सम्मान किया। माली सैनी संदेश परिवार उत्सव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

सुहाना सैनी ने वर्ल्ड यूथ टेबल टैनिस प्रतियोगिता में जीता कांस्य

हरियाणा की बेटी व अंतर्राष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी सुहाना सैनी ने वर्ल्ड यूथ टेबल टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर देश और हरियाणा का मान बढ़ाया है।

सुहाना इससे पहले भी अनेकों राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत देश का गौरवान्वित कर चुकी है। इस उपलब्धि के लिए आपको अनंत बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। हमें सुहाना सैनी पर गर्व है।

स्व. श्री भवानीशंकरजी पंवार की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

झुंझुनूं। सैनी समाज कल्याण संस्थान के संरक्षक तथा मंत्रालयिक कर्मचारियों के प्रदेश सचिव रहे स्व. भवानीशंकर पंवार की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले गेस्ट हाउस,फौज का मोहल्ला, झुंझुनूं में पुण्यांजलि सभा का आयोजन किया गया। पुण्यांजलि सभा कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता मातुराम सैनी, पिलानी ने की।

सैनी समाज कल्याण संस्थान के अध्यक्ष षडसीराम सैनी, पूर्व सहायक अभियंता नाहरसिंह सैनी, अशोकनगर, लांयन पूर्ण सिंह सैनी, पूर्व उप प्रधान ताराचंद सैनी, वरिष्ठ पत्रकार महेन्द्र मयंक सैनी विशिष्ट अतिथि थे। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा स्व. पंवार के चित्र पर पुष्पाहार पहनाकर श्रद्धांजलि सभा का शुभारंभ किया।

लांयन पूर्ण सिंह सैनी ने स्व. पंवार की जीवनी पर विस्तृत प्रकाश डाला। अतिथियों ने कहा कि स्व. भवानीशंकर पंवार नेकदिल, मिलनसार, सहृदय, उदार, हसमुख, सहनशील, हरदिल अजीज, उच्च कोटि के मार्गदर्शक और सामाजिक, राजनीतिक तथा शैक्षिक क्षेत्र में संघर्षशील व्यक्तित्व थे। उनका असमय हमारे बीच से जाना अत्यंत पीड़ादायक और दुखदायी है। लेकिन विधि के विधान को टाला नहीं जा सकता है। ईश्वर के आगे हम बेबस है उसकी रचना को हम नहीं जान सकते हैं।'

श्रद्धांजलि सभा तथा विचार गोष्ठी में पार्षद प्रदीप सैनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती ममता शर्मा, इन्द्राज सैनी, कायस्थपुरा, शीशराम राजोरिया, नेकीराम धूपिया, शिवचरण पुरोहित, भाजपा प्रवक्ता कमलकान्त शर्मा, पूर्व पार्षद श्रीमती मंजू चौहान तथा स्व. भवानीशंकर पंवार के दामाद डॉ महेन्द्र सैनी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में महावीर भारती, पार्षद मनोज राजोरिया, सैनी समाज कल्याण संस्थान के संरक्षक राजेन्द्र सैनी, सुभाष सैनी, अशोकनगर, सुरेन्द्र सैनी,एकौड़ी ढाणी, चन्द्रप्रकाश धूपिया, सत्यनारायण हलकारा, पार्षद विजय गौड़, श्रीमती सावित्री,नत्थूराम गौड़, ज्ञान मंदिर क्लासेज के संतोष सैनी, जितेन्द्र सैनी, बिहारीलाल सैनी, इतरत फारूकी, पत्रकार संजय सैनी, श्रीमती सुधा पंवार उनके पुत्र-पुत्री तथा परिवारजन सहित अनेक उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद् महेन्द्र शास्त्री ने किया। अन्त में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की गई। माली सैनी संदेश परिवार स्व. भवानी शंकर पंवार की प्रथम पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

पिता प्रतिवर्ष करवाते थे नेत्र चिकित्सा शिविर

पिता के निधन के बाद पुत्रों ने निभाई परम्परा

सिरोही। ग्लोबल नेत्र संस्थान तलेटी आबूरोड एवं माली वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में 15वां नि: शुल्क विशाल नेत्र चिकित्सा एवं ऑपरेशन शिविर तथा पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन प्रेमी भाई पदमा गहलोत एवं वर्सता देवी शिवलाल की स्मृति में ग्राम सवली में आयोजित हुआ। शिविर में 850 लोगों ने नैत्र की जांच करवाई जिनको नि:शुल्क को दवाई दी गई। शिविर में 650 लोगों को नजर के चश्मे का वितरण किया गया तथा 45 लोगों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित कर ग्लोबल नेत्र संस्थान आबूरोड ले जाया गया। वहीं पशु चिकित्सा शिविर में 200 पशुओं की जांच कर उनका इलाज कर निशुल्क दवाई वितरित की गई।

माली ने भामाशाह परिवार का किया आभार प्रकट: स्वामी चेतन गिरी महाराज ने अपने उद्बोधन में शिविर आयोजक भामाशाह परिवार के द्वारा समयसमय पर पुनीत कार्य में सहयोग करने पर आभार प्रकट किया। भामाशाह परिवार के पिता शिवलाल पदमा की कोरोनाकाल में मृत्यु होने के बाद उनके पुत्रों द्वारा पहला शिविर करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान रघुभाई माली ने बताया कि शिवलाल द्वारा 15 वर्षों से लगातार नेत्र चिकित्सा शिविर एवं पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा था। उन्हींने पुनित कार्यकी सराहना की। नेत्र शिविर के सफल संचालन में राजू भाई, उमा राम, दिनेश सुथार, गणेश राम, हीरालाल, कालू राम देवासी व सवाराम कुम्हार एवं समस्त ग्रामीणों ने सहयोग किया। इनका रहा आतिथ्य शिवलाल पदमा के पुत्र गणेश, जगदीश, भरत, कैलाश, करण व गहलोत परिवार के सदस्य भैरारात, मंसाराम, प्रताप, एवं भरमल ने स्वागत कार्यक्रम संपूर्ण करवाया।

शिविर के मुख्य अतिथि चेतन गिरी ने शिविर का शुभारंभ किया। पूरी बाई पुनमा माली चैरिटेबल ट्रस्ट सिरोही अध्यक्ष रघु भाई माली, माली समाज विकास संस्थान सुंधा पर्वत झाडोली वीर संरक्षक शंकर माली, दिग्विजय सिंह मांडानी, अंबालाल माली, रामलाल पुरोहित नारादरा, सोमाराम पुरोहित झाडोली वीर, महेंद्र सिंह सवली का आतिथ्य रहा।

घरों में पुताई कर पढ़ाई पूरी की राजू सैनी ने अब तक 4,000 बच्चों को दिला दी सरकारी नौकरी

इन्दौर। शहर की छोटी सी बस्ती में रह कर कई संघर्षों के बाद खुद का जीवन सुधारा, अब दूसरों का बन रहे साहरा घरों में पुताई कर पूरी की पढ़ाई। अब तक 4000 बच्चों को दिला दी सरकारी नौकरी। बगीचों में पढ़ाया करते थे राजू ।

राजू कहते हैं तमाम परेशानियों से जूझने के बाद साल 2000 से मैंने बच्चों को बगीचों में पढ़ाना शुरू किया, फिर 2002 में कमरा लेकर पढ़ाना शुरू किया। अब तक 10,000 युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करा चुका हूं जिसमें से करीब 4,000 बच्चों का सिलेक्शन अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षा में हो चुका है। यहीं नहीं आपने फ्री लाइब्रेरी भी शुरू की जिससे बच्चों को पढ़ाई में कोई दिक्कत ना हो इसलिए राजू सैनी ने उनके लिए साल 2019 में मालवा मिल अनाज मंडी में फ्री ओपन लाइब्रेरी शुरू की, जिसमें बच्चों के लिए पहली से 12वीं और कुछ आवश्यक पुस्तकें और नोट्स रखे हैं, जिससे बच्चों को पढ़ाई में मदद मिलती है। इंदौर, अपने लिए तो हर कोई जीता है लेकिन औरों के लिए जीने वालों की तो बात ही अलग होती है। गोमा की फैल में रहने वाले राजू सैनी की कुछ ऐसी ही कहानी है। शहर की छोटी सी बस्ती के रहने वाले राजू सैनी ने कई संघर्षों के बाद शिक्षा प्राप्त की और अब वह दूसरों को शिक्षित कर सरकारी नौकरी तक दिलवा रहे है। राजू ने कहा मैंने 12वीं कक्षा तक बहुत मुश्किलों से पढ़ाई की है। नौकरी के कारण पढ़ाई में ध्यान नहीं दे पाता था, इसलिए पहले चौथी में फेल हुआ। फिर 9वीं में, दसवीं में ट्यूशन लगाई, लेकिन फीस के रुपए ना होने के चलते 1 माह बाद ही ट्यूशन छोड़ दी, घर पर पढ़ाई कर के पास हुआ और 11वीं 12वीं स्कॉलरशिप की मदद से पूरी कि राजू ने कपड़े की दुकान में काम किया और फिर आगे की पढ़ाई भी जैसे-तैसे घरों में पुताई करके पूरी की, लेकिन वे जीवन के किसी भी मोड़ पर हारे नहीं बल्कि आगे बढ़ते चले गए और अब खुद की तरह अन्य बच्चों को मदद कर रहे हैं। अब बच्चे भी पढ़ने लगे हैं साल 2005 में राजू का रेलवे में स्टेशन मास्टर मुंबई में सिलेक्शन हो गया नौकरी के चलते क्लासेस कंटिन्यू करना मुश्किल था इसलिए उन्होंने स्टूडेंट कन्हैयालाल प्रजापत को इसकी जिम्मेदारी दी। अब कन्हैया इंदौर में टीटी के पद पर कार्यरत हैं राजू ने कहा हमने एक ऐसी चेन बना ली है, जिसके तहत सिलेक्ट होने वाले बच्चे अन्य बच्चों को सरकारी नौकरी की तैयारी कराते हैं।

लालगढ़ के दाताराम को एसआरएफ परीक्षा में चौथा स्थान

खेतड़ी उपखंड के लालगढ़ गांव के दाताराम पुत्र भजनाराम सैनी ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की सीआरएफ परीक्षा में आल इंडिया में चौथा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। दाता राम सैनी ने बताया कि वह कृषि क्षेत्र में ही आगे काम करना चाहते हैं। अपने अनुसंधान से अपने क्षेत्र में कृषि को और प्रभावशाली बनाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश से पीएचडी पूरी करेंगे। सैनी अपनी एमएससी एग्रीकल्चर, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली व बीएससी एग्रीकल्चर कृषि महाविद्यालय, कोल्हापुर महाराष्ट्र से की। आदिवासी मीणा समाज सहायक प्रदेश प्रमुख बलबीर छापोला ने बताया कि दाता राम सैनी शुरू से ही कृषि क्षेत्र में काम करने के इच्छुक थे और उन्होंने कृषि क्षेत्र के विभिन्न ट्रेनिंग प्रोग्राम में कई अवार्ड भी प्राप्त किए। इनकी इस उपलब्धि से गांव के बच्चों का मनोबल बढ़ेगा। माली सैनी संदेश परिवार हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। हमें गर्व है युवा दाताराम सैनी पर।

ध्यानेश व ऋषिता गहलोत भाई बहन ने राज्य स्तर पर जीता स्वर्ण एवं कांस्य

बीकानेर। राजस्थान व कोटा ताइक्वांडो संघ के तत्वाधान में कोटा यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स हॉल में संपन्न हुई 29 वीं जूनियर एवं 30 वीं सीनियर राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बीकानेर के ध्यानेश गहलोत व ऋषिता गहलोत का उत्कर्ष प्रदर्शन रहा।

सुजानदेसर निवासी सेठ तोलाराम बाफना एकेडमी के विद्यार्थी इन भाई- बहन ने इस प्रतियोगिता में ध्यानेश ने स्वर्ण पदक व ऋषिता गहलोत ने कांस्य पदक जीतकर बीकानेर का मान बढ़ाया। ध्यानेश व ऋषिता ने अपनी जीत का श्रेय अपनी माता रेणु गहलोत को दिया। ऋषिता गहलोत ने बताया कि उनके स्व. पिता दिनेश गहलोत का सपना था कि हम ताइक्वांडो में नेशनल खिलाड़ी बने और बीकानेर के बच्चों के लिए ताइक्वांडो का फ्री परीक्षण दें, इसी लगन और माँ की प्रेरणा से हम दोनों भाई बहन ताइक्वांडो खेल में अभ्यास करते हैं। आपको बता दे ऋषिता व ध्यानेश ने पहले भी ताइक्वांडो खेल में राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में काफी मेडल जीते हैं।

दिव्यांग किरण टाक राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित

जोधपुर। समाज की युवा दिव्यांग किरण टाक को राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार तैराकी में उत्कृष्ट खेल के लिए अनेकों राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सैकड़ों पदक जितने पर विकलांग दिवस पर देश के राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद द्वारा प्रदान किया गया।

'बुलंद हो हौसला तो मुट्ठी में हर मुकाम है, मुश्किलें और मुसीबतें तो जिंदगी में आम है, डर मुझे भी लगा फासला देखकर, पर मैं बढ़ती गई रास्ता देखकर, खुदब-खुद मेरे नजदीक आती गई, मेरी मंजिल मेरा हौसला देखकर'। यह कहना है अंतराष्ट्रीय पैरा तैराक व कोच किरण टाक का। जिसने अपने जुनून से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैराकी में सैंकड़ों गोल्ड पदक अपने नाम किए हैं। जोधपुर के पूंजला क्षेत्र निवासी किरण को तीन वर्ष की उम्र में बुखार आने पर एक चिकित्सक ने इंजेक्शन लगा दिया। जिसके कारण उनका बांया पैर पोलियो ग्रस्त हो गया। दो साल तक बिस्तर में रहने के बाद माता-पिता व परिजनों ने हर तरह का चिकित्सक उपचार करवाया। जिससे वह बैठने तो लगी परन्तु चलना मुश्किल था। लेकिन दूसरों की तरह पैरों पर खड़े होने और चलने का जुनून नहीं छोड़ा। पांचवी तक घर पर शिक्षा ग्रहण करने के बाद अपने भाई बहनों के साथ स्कूल जाने की जिद करने पर छठी कक्षा में प्रवेश लिया। स्कूल में जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए अपना पंजीयन करवाया तो घरवालों ने मना कर दिया। उस समय घर के पास एक तालाब में प्रतिभागी तैरने का अभ्यास करने आते थे। किरण ने भी तैरना सीखा और अपने माता-पिता को विश्वास दिलाते हुए आठवीं कक्षा के दौरान फिर से प्रतियोगिता में अपना पंजीयन करवाया।

उस समय सामान्य प्रतिभागी के तौर पर पहला पुरस्कार प्राप्त किया। इसके बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने नागौर जाने पर एक कोच ने बताया कि विशाग खिलाडियों के लिए अलग प्रतियोगिता होती हैं और उसी वर्ष दिल्ली में आयोजित पैरा तैराकी प्रतियोगिता में किरण ने चार

स्वर्ण पदक के साथ सर्वश्रेष्ठ चौम्पियनशिप शील्ड भी जीती। इसके साथ किरण का पैरा गेम्स का सफर शुरू हुआ। अब किरण चार से छह घंटे अभ्यास करने लगी। वर्ष 2003 में अपने पैरों के सुधार के लिए सर्जरी करवा कर किरण बिना सहारे चलने लगी और पुन: अभ्यास करने लगी। मेहनत की वजह से ही वर्ष 2005 में किरण का चयन इंग्लैंड में आयोजित ओपन चौम्पियनशिप में हुआ।

जहां अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराकी प्रतियोगिता में किरण ने देश के लिए पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। यहां से किरण के सपनों को पंख लग चुके थे। फिर किरण ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और कॉमन वेल्थ 2010 और 2018 में भाग लेकर देश के लिए खेलती गई और पदक अपने नाम करती गई। वर्ष 2008-09 में तैराकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें खेलों के प्रतिष्ठित महाराणा प्रताप पुरस्कार वर्ष 2017 में नवाजा गया। किरण ने अपनी तरह संघर्ष कर रही दिव्यांग प्रतिभाओं को तराशने के लिए कोच बनने का विकल्प चुना और नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस(से डिप्लोमा किया। जिसकी वजह से किरण का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का कोच बनने का सपना पूरो हो गया। कोच बनने पर अन्य पैरा खिलाडियों को अपने से बेहतर बनने के लिए प्रोत्साहित भी करने लगी। वर्तमान में स्पोर्ट आँथोरिटी आँफ गुजरात में काम कर रही हैं। किरण ने कहा कि मेरी दिव्यांगता मेरे संकल्प के लिए आशीर्वाद थी। जिसे मेरे जीवन में आना था और मुझे सफल बनाना था।

समाज की इस होनहार युवा खिलाड़ी ने अपने इस सफर पर अनेकों सामाजिक आर्थिक, सरकारी सुविधाओं से निडरता से लड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया था। उसे प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अनेकों बार आर्थिक सहायता की आवश्यकता होने पर सामाजिक संस्थाओं द्वारा मदद नहीं मिल पाती थी। लेकिन समाज के भामाशाहों एवं उसके बुलंद हौसले ने आज उसे अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई तो सामाजिक संस्थाओं द्वारा उसका हौसला बढ़ाया गया और सम्मानित भी किया गया।

अगर समाज के उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सामाजिक संस्थाओं द्वारा मदद की जाएं तो हमारे समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है ऐसी अनेकों किरण समाज में बैठी है जो सरकारी सहायता एवं मागुदर्शन के आभाव में आगे नहीं बढ़ पाती है। हमें किरण पर गर्व है और हम उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाओं के साथ उसे मिले विशेष पुरस्कार के लिए हार्दिक बधाई प्रेषित करते हैं।

सात समंदर पार से आने वाली कुरजां की सेवा में सेवाराम 25 सालों से जुटे हुए है समर्पित भाव से

सातवीं कक्षा से कुरजां की सेवा करने का कर रहे काम। अब तक 11 से अधिक अवार्ड भी कर चुके है हासिल

जोधपुर। यथानाम, तथा गुणपंक्ति को बखूबी चरितार्थ कर रहे हैं फलोदी कस्बे के खींचन के निवासी सेवाराम माली। सेवाराम ने उम्र के 25 साल कुरजां की सेवा में समर्पित कर रखा हैं। शुरू शुरू में सेवाराम को कुरजां को देखकर आत्मिक लगाव हुआ, फिर जब कभी हाईटेंशन लाइन या पतंगों के मांजे के चलते कुरजां घायल हो उठती तब सेवाराम सेवा भावना से उनको कुरजां का इलाज कराने के लिए वन्यजीव चिकित्सकों के पीछे लगे रहते। बाद में यह सिलसिला जब आगे बढ़ा तो सेवाराम को इन कुरजां से ऐसा गजब का लगाव हो गया कि हाईटेंशन लाइन व पतंगों के मांजे के कारण कुरजां के घायल होने और मरने के मामले को इस कदर उठाया कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रसंज्ञान लेते हुए न केवल हाईटेंशन लाइन हटाने के निर्देश दिए बल्कि मांजे पतंगे इस इलाके में पूरी तरह से प्रतिबंधित की गई।

11 अवॉर्ड भी हासिल कर चुके सेवाराम

सेवाराम पहले घायल कुरजां को मोटरसाइकिल से रेस्क्यू सेंटर ले जाता था। अब सौर ऊर्जा की एक कंपनी ने कुरजां के लिए एक विशेष एम्बुलेंस सेवाराम को दे दी है। अब सेवाराम उससे कुरजां की सेवा करते है। यही नहीं अब तक 11 अवॉर्ड हासिल कर चुके सेवाराम देशी विदेशी सैलानियों को इस तरह से गाइड करते नजर आते है जैसे सेवाराम कुरजां के एनसाइक्लोपीडिया बन गए हो।

इस बार आए काफी विदेशी पक्षी

बरसों से खींचन में कुरजां की सेवा में जुटे सेवाराम का कहना है कि इस बार गत वर्ष की अपेक्षा कुछ अधिक पक्षी आए हुए हैं। रोजाना करीब पंद्रह किंटल दाना कुरजां को खिलाया जा रहा है। कुरजां खींचन की मिट्टी में उपलब्ध छोटे-छोटे कंकर खाती हैं। साथ ही मक्की व ज्वार दाना भी खाती है। गांव में बरसों से यह क्रम बना हुआ है कि जैन समाज इन प्रवासी परिन्दों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करता है। गांव के अन्य लोग भी मेहमानों की इस सेवा में अपना अहम योगदान देते रहे हैं।

माता से मिली सेवाराम को सेवा की प्रेरणा

संवाददाता से खास बातचीत करते हुए सेवाराम माली ने कहा कि मुझे 22 से 25 साल हो गए है। जब से वन्यजीवों को बचाने का काम कर रहा हूं। मेरे पास ही पक्षी चुग्गा घर बना है तो उनके पीछे से ही इलेक्ट्रीसिटी लाइन निकल रही थी तो उस लाइन को लम्बी लडाई लडकर कोर्ट से हटवाई। उन्होंने कहा कि 2010 से लेकर आज तक का कुरजां पक्षियों का समय तक लिखा हुआ है कि यह कब आई है कब खाना खाया है और कब गई है। सातवीं क्लास में पढ रहा था उस वक्त से वाइल्ड लाइफ को बचाने का काम कर रहा हूं। उनको यह प्रेरणा अपनी माताजी से मिली है।

सीकर में दूल्हे की जगह दुल्हन घोड़ी पर सवार होकर पहुंची विवाह स्थल

सीकर। राजस्थान के सीकर में पुरानी मान्यताओं को तोड़ते हुए दूल्हे की जगह एक दुल्हन घोड़ी पर सवार होकर विवाह स्थल पर पहुंची जिसका वीडियो अब लोग खूब पसंद कर रहे हैं. दुल्हन कृतिका सैनी के पिता महावीर सैनी ने बताया कि उन्होंने सोचा जब बेटियां बेटों की तरह घर संभाल रही हैं तो वो बेटी की शादी भी बेटे की तरह करेंगे। दुल्हन कृतिका के पिता महावीर सैनी ने कहा कि उनकी चार बेटियां और दो बेटे हैं जिनमें कृतिका सबसे छोटी बेटी है। कृतिका के सभी बड़े भाई- बहनों की शादी हो चुकी है।

कृतिका की सगाई एक साल पहले हुई थी। महावीर सैनी ने बताया कि 1 साल पहले उसी वक्त ख्याल आया कि जब बेटी ने एक बेटे की तरह घर को सजाया संवारा है तो इसकी शादी भी एक बेटे की तरह ही करूंगा। उन्होंने कहा, जब इसका जिक्र बेटी से किया तो उसने कहा कि वो अपने लिए शेरवानी खुद तैयार करेगी जिसके बाद पिछले करीब तीन महीने से वो घर पर ही इस काम में लगी रही।

कृतिका के पिता महावीर सैनी ने बताया कि वह मूल रूप से सीकर जिले के रानोली गांव के रहने वाले हैं और परिवार का पुश्तैनी हलवाई वाला काम करते हैं. 35 साल पहले गांव छोड़कर पूरा परिवार सीकर आया जिसके बाद उन्होंने हलवाई का काम करते हुए ही अपने पूरे परिवार का पालन-पोषण किया।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापूराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री भैवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मंगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास)
सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गोगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकुमार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलूराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री भैवरजी पुत्र श्री भोमजी, स्वर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तूर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सीजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तूराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमाल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारतराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, व्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुर्वई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नैनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकाराराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरवा
श्री भीकाराम खेतारम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिंवरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर

हार्दिक बधाई एवं शुभकानाएं

युवा आशीष कच्छवाहा को आई आई टी (राष्ट्रीय प्रोधोगिकी संस्थान जोधपुर) में असिस्टेंट रजिस्ट्रार पद पर पदोन्नत होने पर हार्दिक बधाई एवम शुभकामनाएं

हार्दिक बधाई एवं शुभकानाएं

गुणवंत लाल माली को तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं

श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री बृलाराममगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकाराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटूराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोवरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्मराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलौदी
श्री धनराज पुत्र श्री रागाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मर्यक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री त्रिलोनंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्धाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छवा, अजमेर
श्री तारांचद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडंनू
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्मेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ___________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु. 600/- | **5 वर्ष रु. 1,500/-** | **आजीवन रु. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम ___________

पता ___________

फोन/मोबाईल ___________ ई-मेल ___________

ग्राम ___________ पोस्ट ___________ तहसील ___________

जिला ___________ पिनकोड ___________

राशि (रुपये) ___________ बैंक का नाम ___________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ___________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ___________

हस्ताक्षर

सुर्या होटल के पास, मोहनपुरा पुलिया, नई सड़क चौराहा, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

द्दह्हश्चक्रष्हरस्हत्र

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : सुर्या होटल के पास, मोहनपुरा पुलिया, नई सड़क चौराहा, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (कार्यालय)

www.malisainisandesh.com

2022

हिन्दी मासिक
माली सैनी सन्देश

www.malisainisandesh.com www.malisaini.org 9414475464

माली सैनी संदेश नववर्ष 2022 के कलैण्डर का देश के विभिन्न क्षेत्रों में वितरण करने वाले समाज सेवी

जोधपुर
श्री जगदीश देवड़ा
रितु स्टूडियों , नृसिंह प्याऊ चौराहा
माता का थान रोड़, जोधपुर
मो. 9414914846

जोधपुर
श्री श्याम भाटी
अनंता योगा सेन्टर
पावटा बी रोड़, जोधपुर
मो. 9950011537

पीपाड़
श्री प्रभाकर टाक
(पूर्व अध्यक्ष)
राम प्रिंटिंग प्रेस,
बस स्टेण्ड, पीपाड़ शहर
फोन : 9414126315

अजमेर
श्री प्रदीप कच्छवाहा
1125/37, राजीव गांधी
कॉलोनी, नृसिंह पुरा,
जौसगंज अजमेर
मो. 9950427336

बाड़मेर
श्री पुरूषोत्तम सोलंकी
हमीरपुरा रोड़, बाड़मेर
मो. : 9414106066

भीनमाल
श्री भंवरलाल सोलंकी
महावीर काम्प्लेक्स,
महावीर चौराहा, भीनमाल
मो. : 9414151449

सिरोही
श्री रघुभाई देवड़ा
होटल बाबा रामदेव
सिरोही
मो. : 9414449153

बालोतरा
श्री पंकज परिहार
गांधीपुरा, बालोतरा
मो. : 9414108139

उदयपुर
डॉ. किशन माली
14 टेकरी, उदयपुर
मो. 9414170258

जालोर
श्री नाथु सोलंकी
राजेन्द्र नगर,
जालौर
मो. : 94142 66768

अहमदाबाद
श्री हनुमान राम माली
114,प्रथम मंजिल, सी ब्लॉक गीता
मंदिर एस.टी. बस स्टैण्ड,
अहमदाबाद मो. : 7676760103

मुबंई
श्री जबराराम माली
रामदेव मोबाईल, 5, मदिना बिल्डिंग
ए ब्लॉक, सहारा मार्केट, मुसाफिर खाना
रोड़ मुम्बई मो. 9869549810

चैन्नई
श्री वचनाराम माली
महाशक्ति प्लास्टिक, 35/1
मलाया पेरूमल स्ट्रीट चैन्नई
मो. 9840271033

बैंगलोर
श्री अशोक कुमार माली
सोना कार्डस, 181/4, कृष्णा
कॉम्प्लेक्स, सुल्तान पेट
बैंगलोर मो. 9480087511

बैंगलोर
श्री छोटाराम माली
माली उद्योग, 13/4, 15 क्रास
भुवनेश्वरी नगर, बैंगलोर
मो. 9448520428

मैंसूर
श्री रतन माली
रतन पेपर मार्ट, 959, जयराम
पड़ित स्ट्रीट शिवारामपेट, मैंसूर
9448768332

हैदराबाद
श्री अमृत कुमार माली
शिवा इलेक्ट्रीकल्स, 5/1/597
सैयद जंग लेन, दूध बाजार, हैदराबाद
मो. 9849042752

तैलंगाना
श्री बंशीलाल सांखला
बीकानेर स्वीट, 1/100/301/4
विजेता सुपर मार्केट के सामने,
नालागंदडाला मो. 99080 62111

श्री जिनके संग चलती, हृदय में करूणा का भान होता है
ऐसे मानवता के मसीहा से ही, मनुष्यता का सम्मान होता है

भ भरोसा बने दीन हीन के दिया सम्बल लाचार को।
कौन भुला सकता है, इस महात्मा के उपकार को ॥

ग गरीबों को सेवा हेतु नेत्र चिकित्सा शिविर लगवाएं।
जन–जन में किया शिक्षा का प्रचार ज्ञान के दीप जलाए ॥

वा वाटिका शिशुओं को खोलकर, अनूठा प्रयोग किया।
ममता विहिन बचपन को, आपार वात्सल्य दिया ॥

न नवजीवन संस्थान कहती आपकी कहानी है।
इस धरती पर देवतुल्य हुआ कोई प्राणी है ॥

सिं सिंह की भांति कर्म पथ पर बढते गए।
मानव उपकार की मिसालें गढते गए ॥

ह हर निःशक्त के लिए बने एक मजबूत सहारा।
वृद्धों हेतु बनाया, वरिष्ठ नागरिक सदन प्यारा ॥

प पर पीड़ा को ही जानी सदैव अपनी पीड़ा।
निर्बल को सम्बल देने का उठाया आपने बीड़ा ॥

रि रिक्त नहीं होने दिया मानवता को इस धरा से।
आप सच्चे लाल है इस पावन मरूधरा के ॥

हा हाथ में लिया जो काम, उसको पूरा कर दिखलाया।
नशा नाश का घर है, जन–जन को यह समझाया ॥

र रग–रग आपकी जैसे परमार्थ के गीत गाती है।
आप जैसे भूमिपूत्रों से ही गौरान्वित मरूधरा की थाती है ॥

सादर नमन

न हि मानुषात श्रेष्ठतम् किंचित

(अर्थात मानवता से बढ़कर कोई धर्म नहीं है)

ममता विहिन बचपन को, आपार वात्सल्य प्रदान करने एवं निर्बल को सम्बल देने ,पर पीड़ा को ही अपनी पीड़ा मानने वाले

मानवता के मसीहा मारवाड़ के समाज रत्न

श्री भगवानसिंह परिहार

(संरक्षक लवकुश बाल विकास केन्द्र व आस्था वरिष्ठ नागरिक सदन)

के 6वें निर्वाण दिवस पर हम नमन करते है परमार्थ की आपकी परम पवित्र भावनाओं को और प्रण करते है कि आपके द्वारा जो पीड़ित और असहाय नवजातों एवं परिवार से प्रताड़ित बुर्जगों की मानव सेवा का कार्य किया गया है उससे सीख लें, जीवन में मानव सेवा एवं अन्य सामाजिक सेवा के लिए कृत संकल्पित रहेगें।

श्रद्धावनत

माली सैनी संदेश परिवार

परम आदरणीय बाऊजी के 6वें निर्वाण दिवस पर नवजीवन संस्थान परिवार द्वारा झुग्गी झोपड़ीयों में रहने वाले गरीब असहाय परिवारों को 700 कम्बलें बांट भीषण सर्दी में राहत देने का पुनीत कार्य किया गया

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित

फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR